ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–68
दिनांकः गुरूवार, 03 सितम्बर, 2026

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन केअनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 31.2 एवं 24.8 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 89 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 85 प्रतिशत, हवा की औसत गति 11. 2 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 4.0 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 5.2 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5से0मी0 गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 30.9 एवं दोपहर में 33.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि 2.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(04–08 सितंबर, 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 04 से 08 सितंबर, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के अधिकांश हिस्सों में 5–6 सितम्बर मध्यम से घने बादल के साथ बिजली चमकने की संभावना है तथा कहीं–कहीं तेज हवा चल सकती है। इस दौरान सीवान, समस्तीपुर, गोपालगंज, मुजफफरपुर, पूर्वी चंपारण एवं पश्चिमी चंपारण जिलों में मध्यम भारी वर्षा होने की संभावना है। अन्य स्थानों पर भी हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है।.
- इस दौरान अधिकतम तापमान 28–33°C तथा न्यूनतम तापमान 25–27°C के बीच रहने की संभावना है।
- हवा में काफी नमी बनी रहेगी। सुबह के समय सापेक्ष आर्द्रता लगभग 90–95% तथा दोपहर में 50–55% के आसपास रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमान अवधि के दौरान 15–25 किमी प्रति घंटा की गति मुख्य रूप से पूर्वा हवा चल सकती हैं।

समसामयिक सुझाव

- धानः वर्षा की संभावना को देखते हुए धान की फसल में सिंचाई फिलहाल स्थगित रखें। कीटों के नियंत्रण के लिए रसायणों का प्रयोग सावधानी पूर्वक करें। मौसम साफ रहने पर ही छिड़काव करें।
- मक्काः मक्का में फॉल आर्मीवर्म के नियंत्रण के लिए इमामेक्टिन बेंजोएट दवा का 0.5–0.6 ग्राम प्रति 15 लीटर पानी की दर से छिड़काव मौसम साफ रहने पर करें। आवश्यकता होने पर प्रथम छिड़काव के 7 दिन बाद कोराजेन दवा का 0.5–0.6 मिलीलीटर प्रति 15 लीटर पानी की दर से दूसरा छिड़काव करें।
- अरहरः अरहर की बुआई 25 अगस्त से 15 सितंबर तक ऊँचास जमीन तथा धान की रोपाई न होने के कारण खाली खेतों में करें। *शरद, पूसा*–9 एवं *राजेंद्र अरहर*–1 किस्मों का चयन करें। बीज दर 45–50 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा कतार एवं पौधे की दूरी 30×10–15 सेमी रखें। 20 किलोग्राम नाइट्रोजन, 45 किलोग्राम फास्फोरस, 20 किलोग्राम पोटाश एवं 20 किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें। बुआई के 25–30 दिन बाद 10 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें तथा इसके बाद निराई–गुड़ाई करें। जिंक की कमी वाली मिट्टी में बुआई के समय 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें।
- टमाटरः शरदकालीन फसल के लिए बोआई करें। उत्तर बिहार के लिए सामान्य किस्मों में *अर्का विकास, अर्का अभेद, अर्का अलोक, अर्का अभिजीत, अर्का सौरभ, अर्का मेघाली, पूसा उपहार, पूसा रूबी, काशी शरद* एवं *काशी अनुपम*–11 तथा संकर किस्मों में *अर्का सम्राट, अर्का अपेक्षा, अर्का विशेष, पूसा दिव्या, अर्का वरदान, अर्का रक्षक* एवं *अर्का अनन्या* की अनुशंसा की जाती है। एक हेक्टेयर में सामान्य किस्मों के 400–500 ग्राम तथा संकर किस्मों के 150–200 ग्राम बीज की आवश्यकता होती है। बोआई के 21–30 दिन बाद पौधे रोपाई के लिए तैयार हो जाते हैं। सीमित बढ़वार वाली किस्मों में 60×45 सेमी, असीमित बढ़वार वाली किस्मों में 75×60–75 सेमी तथा संकर किस्मों में 90×60 सेमी की दूरी रखें। प्रति हेक्टेयर 200–250 क्विंटल अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद, 120 किग्रा नाइट्रोजन, 80 किग्रा फास्फोरस एवं 80 किग्रा पोटाश प्रयोग करें। नाइट्रोजन को तीन बराबर भागों में रोपाई के समय, 20–25 दिन तथा 45–50 दिन बाद दें।
- मिश्रीकंदः ऊँचास जमीन वाले क्षेत्रों में मिश्रीकंद की बुआई करें। उत्तर बिहार के लिए *राजेंद्र मिश्रीकंद*–1 एवं *राजेंद्र मिश्रीकंद*–2 किस्में अनुशंसित हैं। सितंबर में बुआई के लिए 50–55 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर तथा 15×15 सेमी की दूरी रखें। 200 क्विंटल अच्छी तरह सड़ी हुई कम्पोस्ट, 80 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 किलोग्राम फास्फोरस एवं 80 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें। बुआई के समय नाइट्रोजन की आधी तथा फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा दें। शेष आधी नाइट्रोजन की मात्रा बुआई के 40–45 दिन बाद उपरिवेशन के रूप में दें।
- शकरकंदः शरदकालीन शकरकंद की फसल के लिए खेत की तैयारी पूरी करें। उचित जल निकास वाली हल्की बलुई दोमट मिट्टी उपयुक्त है। खेत की 2–3 बार जुताई एवं समतलीकरण करें तथा पहली जुताई से पहले 100 क्विंटल अच्छी तरह सड़ी हुई कम्पोस्ट प्रति हेक्टेयर की दर से मिट्टी में मिलाएं। अंतिम भूमि तैयारी के समय 60 किलोग्राम नाइट्रोजन, 40 किलोग्राम फास्फोरस एवं 60 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें। 30×30 सेमी की दूरी पर रोपाई करें। रोपाई अगस्त के अंतिम सप्ताह से सितंबर तक की जा सकती है। उत्तर बिहार के लिए *राजेंद्र शकरकंद*–5, *राजेंद्र शकरकंद*–35, *राजेंद्र शकरकंद*–47, *राजेंद्र शकरकंद*–43, *श्री भद्रा, कालमेघ* एवं *राजेंद्र शकरकंद*–92 किस्में अनुशंसित हैं।

आज का अधिकतम तापमानः 31.0 डिग्री सेल्सियस, जो से 1.9 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 24.08 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.9 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी